हिन्दुस्तान एंटिबायोटिक्स लिमिटेड, पिंपरी में कुप्रबंध

*275. श्री अजीत जोगी :
श्री मूलचन्द मीणा :

क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को हिन्दुस्तान एंटिबायोटिक्स लिमिटेड, पिंपरी में कुप्रबंध के बारे में कामगारों से कोई अभ्यावेदन मिला है;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ग) भविष्य में कुप्रबंध को रोकने के लिए क्या कदम उठाये गये हैं?

रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री राम लखन सिंह यादव) : (क) से (ग) हिन्दुस्तान एंटिबायोटिक्स लि० (एच० ए० एल०) के कामगारों से कुछ अभ्यावेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें कंपनी के प्रबन्धकों के विरुद्ध अनेक आरोप लगाए गए हैं। ये आरोप सामान्य प्रकृति के हैं और दिन प्रतिदिन के प्रबन्ध से संबंधित हैं जैसे कार्मिकों की नियुक्ति, संस्थागत एजेन्टों की नियुक्ति, वार्षिक लेखे तैयार करना, कंपनी के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों की अवहेलना और धीरे-धीरे कंपनी के निजीकरण किए जाने संबंधी आशंकाएं।

हिन्दुस्तान एंटिबायोटिक्स लि. समझौता ज्ञापन (एम. ओ. यू.) पर हस्ताक्षर करने वाली कंपनी है और प्रमुख कार्य निष्पादन पैरामीटरों के संबंध में वार्षिक लक्ष्य निर्धारित किए जाते हैं। लक्ष्यों की तुलना में प्रबंधकों के कार्य निष्पादन की सरकार द्वारा समय-समय पर समीक्षा की जाती है और प्रचार के लिए कदम उठाए जाते हैं।

Proposals from NRIs for revival of PSUs

*276. SHRI GHUFRAN AZAM:
PROF. SAURIN BHATTACHARYA:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government have received different proposals from NRIs for revival of some PSUs;

(b) if so, whether Government have completed examining the same;

(c) whether any proposal has been received for revival of TAFCO;

(d) if so, the facts and details thereof: and

(e) what action is being contemplated to protect the companies for which BIFR has issued show-cause notices for winding up?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SMT. KRISHNA SAHI): (a) to (d) As per available information, a proposal from M/s. Kaushal Leather Industries Limited, an NRI group company has been received by the BIFR indicating their willingness to invest for modernisation of existing units of TAFCO, for importing new machinery with technological back up to generate growth of employment, with proposal for a complete buy-back of products to be produced by the new company within the next 10 years with an assurance to absorb the entire existing work-force of TAFCO and in addition, creating jobs for another 1300 to 2000 workers.

(e) Each such case would be examined by Government on merits and action taken.

Production of plastic

*277. SHRI MOHD. KHALEELUR RAHMAN:

SHRI CHIMANBHAI MEHTA:

Will the Minister of CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) what is the number of plastic goods producing units in our country and